Title: Regarding formation of three new states including Uttarakhand.

श्री जितेन्द्र प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। तीन राज्यों के गठन का मामला बहुत दिनों से लम्बित पड़ा हुआ है। मान्यवर, 1996 में जब चुनाव हुए थे तब तत्कालीन प्रधान मंत्री ने वहां जाकर आश्वासन दिया था कि राज्य का गठन चुनाव के बाद हो जायेगा। 1998 में मौजूदा प्रधान मंत्री ने वहां चुनाव सभा को संबोधित करके आश्वासन दिया था कि सरकार बनने के 90 दिन के अंदर राज्य का गठन हो जायेगा। 1999 में फिर हमारे प्रधान मंत्री जी वहां चुनाव भाषण करने गये थे और उन्होंने कहा था कि अगर हमारी सरकार बनती है तो हम जो पहले कागज पर दस्तखत करेंगे वह उत्तराखंड के राज्य के कागज पर करेंगे। हम उत्तराखंड राज्य बना देंगे। आज इतने दिन हो गये हैं। लेकिन आये दिन विवाद बनाये जाते हैं, कहीं ऊधमसिंह नगर का विवाद है, कहीं हरिद्वार का विवाद है। उत्तर प्रदेश की विधान सभा यहां चार-चार बार प्रस्ताव भेज चुकी है, आज भी वह प्रस्ताव यहां लम्बित पड़ा है। सारा सत्र खत्म हो गया है। अभी तक सरकार की तरफ से कोई ऐसी पहल नहीं हैं कि प्रस्तावित राज्य का गठन किया जाए। पूरे प्रदेश में एक आंदोलन छिड़ा हुआ है। प्रदेश की जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया गया है। महोदय, यह एक सीमावर्ती प्रदेश है, वहां की बहुत बड़ी जनसंख्या हमारी सेना में है और पूरे देश में फैली हुई है। वहां स्थिति विस्फोटक होती चली जा रही है और सरकार रोज किसी न किसी बहाने से इस मुद्दे को टालती चली आ रही है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि सरकार आज सदन के अंदर आश्वासन दें कि इसी सत्र के अंदर इस बिल को पेश करेंगे और पास करायेंगे। मैं इस बारे में सरकार से आश्वासन चाहता हूं। यह एक बहुत ही ज्वलंत मुद्दा है।â€¦(व्यवधान)